प्रभु दर्शन दो शंखेश्वर रे

(राग: जरा सामने तो आओ छलिये)

(રાગ: મારું આયખું ખૂટે જે ઘડીએ)

प्रभु दर्शन दो शंखेश्वर रे, आये दर्शनके प्यासे तेरे द्वार रे

युँ छुप ना सकेगा परमात्मा, मेरी आत्मा की ये आवाज़ है

हम तुम्हें चाहे, तुम नहीं चाहो, ऐसा कभी ना हो सकता

अपने प्रभुसे भक्त बिछड़कर, सुखसे कभी ना सो सकता

हम्हें डरनेकी जगमें क्या बात है, जब हाथमे तेरे हमारी लाज है

युँ छुप ना सकेगा परमात्मा, मेरी आत्मा की ये आवाज़ है

भक्ति की लगनी ऐसी लगी जो, पूजा और अंगिया मैं रचाऊँ

भक्ति की लगनी ऐसी लगी जो, गुण गाऊ आरती उतारू

तेरी प्रीतपे बड़ा हम्हें नाज़ है, मेरे सरका तू ही सरताज है

युँ छुप ना सकेगा परमात्मा, मेरी आत्मा की ये आवाज़ है

मंडल शंखेश्वर बिनतीको लेकर, आया है तेरे द्वारे रे

शरणमें आये प्रभुवर तेरे, हम सबको तू ही तारे रे

आज हमारी तो सुनलो पुकार रे, तेरी महिमा तो अपरम्पार रे

युँ छुप ना सकेगा परमात्मा, मेरी आत्मा की ये आवाज़ है

प्रभु दर्शन दो शंखेश्वर रे, आये दर्शनके प्यासे तेरे द्वार रे

युँ छुप ना सकेगा परमात्मा, मेरी आत्मा की ये आवाज़ है

04-21-2016 - https://www.youtube.com/watch?v=qVGOTJcQWzM